[सामूहिक चर्चा] 07/05/20

सामूहिक चर्चा किसी विशेष परिस्थिति में किसी संगठन या समूह विशेष के द्वारा किसी समस्या के समाधान या निर्णय पर पहुँचने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। जिसमें परस्पर विचार-विमर्श, सहभागिता एवं सहकारिता द्वारा किसी कार्य को सामूहिक रूप से किया जाता है। अंग्रेजी में इसे Group Discussion कहा जाता है।
वास्तव में सामूहिक-चर्चा मौखिक संचार का एक रूप है। कहा जा सकता है कि सामूहिक चर्चा मौखिक संचार की वह प्रक्रिया है जिसमें कोई व्यावसायिक संगठन एक निश्चित एवं सर्व सम्मत निर्णय पर पहुँचने का प्रयास करता है।

सामूहिक चर्चा के उद्देश्य :-

① समस्या का निवारण → सामूहिक चर्चा में विभिन्न रचनात्मक विचारों और सुझावों को आमंत्रित किया जाता है जिससे संगठन की समस्याओं का निवारण किया जा सके।

② निर्णय लेना → निर्णय प्रक्रिया में विशिष्ट प्रकार के व्यक्ति सम्मिलित होते हैं। सामूहिक चर्चा के द्वारा ये सभी व्यक्ति परस्पर मिलकर समस्या को सुनने के पश्चात् किसी निर्णय पर पहुँचते हैं।

③ विचारों का आदान-प्रदान → किसी समस्या या विषय पर विचारों के आदान-प्रदान द्वारा विभिन्न व्यक्तियों की प्रतिक्रिया को जानना होता है जिससे प्रतिभागी प्रश्नों को पूछने या चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित हों।

सफल सामूहिक चर्चा के लिए आवश्यक बातें :-
- → उद्देश्यों की प्राप्ति का प्रयास
- → विचारों का आदान-प्रदान
- → सहयोगात्मक वातावरण
- → सकारात्मक व्यवहार
- → ध्यानपूर्वक सुनना
- → रचनात्मक आलोचनाओं को सुनना
- → सहनशीलता
- → संक्षिप्तता (निश्चित समयावधि)
- → शुद्धता
- → भाषा (सरल व स्पष्ट)

लाभ :-
- → अधिक जानकारी मिलना
- → सर्वोत्तम समाधान
- → अधिक विश्वसनीयता
- → विचारोत्तेजकता
- → सहभागिता
- → समय का सही प्रयोग
- → शक्तिशाली संगठन

दोष :-
- → अधिक समय लगना
- → असहमति होना
- → उत्तरदायित्व हीन
- → असंतुष्ट समझौते
- → उद्देश्य की अपूर्णता
- → खर्चीली पद्धति
- → लंबी पद्धति